

und चोटैयति *klein werden* 9,39. 32,24. v. l. — Vgl. चुट्, चुण्ट्, कुट्.
चुट्, चुटैयति *klein werden* Dhātup. 32,24. — Vgl. पुट्.
चुट्, चुटैति *verhüllen* Dhātup. 28,98. — Vgl. वुट्.
चुट्, चुटैति *tändeln, scherzen* (nach Andern: *vermuthen; machen*)
Dhātup. 9,63. — Vgl. चुष्.

चुण्, चुणैति *abschneiden* Dhātup. 28,84. v. l.
चुण्ट्, चुण्टैति und चुण्टैयति *abschneiden* Dhātup. 32,116. — चुण्टैति
klein werden 9,39.

चुण्टा und चुण्टी f. *Brunnen* Traik. 1,2,27. चुण्टी Supr. 1,169,12. चु-
ण्टी (v. l. चुण्टी) *ein kleiner Brunnen* H. 1093. — Vgl. चौण्ड्य, चूडक,
चूतक.

चुण्ट्, चुण्टैयति *verletzen, tödten* Dhātup. 32,91. v. l.
चुण्ड्, चुण्डैति *klein werden* Dhātup. 9,39. — चुण्डैयति *abschneiden*
32,116.

चुण्ठी s. u. चुण्टा.
1. चुन् v. l. für च्युत् Dhātup. 3,3. — Vgl. झुत्.
2. चुन् interj. Lalit. 292.
चुत् m. *After* Çabdar. im ÇKDr. Auch चुति f. ebend. — Vgl. चूत,
च्युति.

चुद्, चोदति, °ते; चोदीस्: 1) *antreiben, anfeuern*: कश्या RV. 4,168,
4. राधसे मरु इन्द्रं चोदामि पीतये 8,37,7. — 2) *schnell herbeischaffen,*
beeilen; sich sputen: सोमं चोदामि पीतये RV. 3,42,8. 7,96,2. त्वं कृ त्य-
दिन्द्रं चोदी: सखा 1,63,4. चोद्वाध उपस्तुतश्चिद्वीक् 7,27,3. med.: वपो
चोदस्व मरुते धनाय 1,104,7. मुन्द्राज्ञो चोदते धृतरासनि 9,69,2. वृक्षे
चोदस्व सुष्टुतिम् 8,64,6. चोदयाम् 7,74,2. — *caus. चोदयति* (selten med.)
Dhātup. 32,53. 1) *treiben, antreiben, in eine schnelle Bewegung versetzen,*
beschleunigen: रथम् RV. 1,173,3. 10,29,8. अर्चतः 6,46,13. 73,13. अयः
समीय 1,80,5. AV. 3,13,1. नृवाङ्मयां चोदितः (सोमः) RV. 9,72,5. चोदय
धियमर्पसा न धाराम् 6,47,10. — चोदयामास स रूपान् Arg. 4,37. MBu.
in Benf. Chr. 23,58. R. 3,33,27. Çāk. 7,20. कुञ्जरं गिरिसंकाशं रातसं प्र-
त्यचोदयत् MBu. 6,4102. ज्ञातिनचोदयत् R. 2,32,71. नाविकान् 74. मो मृ-
त्युर्विषयं यदचूचुदत् MBu. 13,35. चोदितैषा ह्यनेजेन 1,5986,6014. का-
लेन चोदिताः R. 3,31,47. 1,1,50. Dhātup. 8,4. देवचोदित Vid. 138. मनः-
सृष्टिं विकृते चोद्यमानं सिसृक्षुषा M. 1,75. यश्च यदाक्यं ब्रूयान्महाक्यवल-
चोदितः R. 1,39,8. 33,25. भक्तं कामिषचोदयत् (भवान्) Bhāg. P. 7,10,3.
चोदिताश्चन्द्रपदैः — चन्द्रकाताः Megh. 71. v. l. für प्रेरिताः. तैश्चोदिता नौ-
का R. 2,32,75. त्रिरिताश्चोदयवयान् Hariv. 9311. शैर्मन्मद्यचोदितैः MBu.
3,1818. (वाणाः) वज्रचोदिताः Arg. 9,15. मयि चोदयते वामं चनुर्धोरम्
wirft, richtet sein Auge auf mich Mākh. 143,18. अचोद्यमानानि (nicht
getrieben, ihren ruhigen Gang gehend) यथा पुण्याणि च पलानि च। स्व-
कालं नातिवर्तसे तथा कर्म पुरा कृतम् ॥ MBu. 13,366. अचोदितस्य कार्य-
स्य *nicht betrieben* R. 4,28,21. चोदित *geworfen* H. 1482, Sch. — 2) *an-*
feuern, anrei-en, begeistern: त्वं कावे चोदयो ऽर्कसंतिा RV. 6,26,3. चोदय-
ते सूनताः पिन्वते धियोः 10,39,2. अर्दितसत्तं दानाय चोदय 6,53,3. चोदया-
मि त् आर्यया वचोभिः 10,120,5. पतितं देवि राधसे चोदयस्व AV. 7,46,3.
मनो दानाय चोदयन् RV. 8,88,4. — 3) *Jmd auffordern, anweisen; Jmd bit-*
tend, fragend, fordernd angehen; mit Bitten, Fragen, Forderungen in Jmd
dringen; bestürmen: स्तुत्वा वरं चोदयेत् Lit. 2,9,15. इति चोदितः। वि-

II. Theil.

धत्स्व भगवन्नत्तम् Arg. 9,30. संतिष्ठत प्रहरत तूर्णं विपरिधावत्। इति स्म
— चोदयामास तान् Draup. 8,1. वसिष्ठश्चोदयामास कामधुक्स्त्रियोगतः R. 4,
53,1. नृपः किमिव न ब्रूयाच्चोद्यमानः समस्ततः 2,21,3. तानानुपूर्व्या — वधे
मातुरचोदयत् MBu. 3,11081 (S. 372). इत्येतेष्व वैदेहीमन्वेष्टुं भर्तृचोदिताः
(कपयः) Raghu. 12,59. — M. 2,191. 8,47. 9,272. MBu. 1,1916. 2,9. 3,
12530. 13,1911. 1934. 13,491. Benf. Chr. 18,1. 59,17. Sund. 3,9. Ha-
riv. 8937. 10634. Rāga-Tar. 3,58. 436. 456. — 4) *vorwärts bringen, för-*
dern, verhelfen zu (dal.): स त्वं नौ वीर्योर्ष्य चोदय RV. 9,110,7. श्रिये
1,188,8. (अवः) येन पितृनचोदयः 42,5. वृत्रकृत्वे चोदयो नृन् 10,22,10. 80,
2. 7,32,15. 9,83,2. यं भद्रं शर्वसा चोदयामि 1,94,15. — 5) *Etwas schnell*
herbeischaffen: चोदय रथो गृणते मघानि RV. 7,77,4. 6,48,9. — 6)
Etwas fordern, verlangen: चोदयामास पानमन्नं तथैव च MBu. 13,2740.
पुरुषत्वं कथं त्यक्त्वा स्त्रीत्वं चोदयसे 578. ततः शिष्यान्समानीय आचार्यो
ऽर्थमचोदयत् *fordern oder sich erkundigen nach* 1,5445. परधर्मो ऽन्य-
चोदितः Bhāg. P. 7,13,13. — 7) *Etwas festsetzen, bestimmen*: एकैकस्यै
देवतायै क्वचिद्योयते Çākh. Çr. 1,17,7. 1,24. Lit. 10,10,3. चोदिताभावे
ऽनारम्भः Kāty. Çr. 1,4,1. अचोदितत्वं 6,3. 8,33. न निगमाः सति पशुतले
चोद्यमानानाम् Çākh. Çr. 5,19,5. व्रतेश्च विधिचोदितैः M. 2,163. विधिः
स्यात्पूर्वचोदितः 8,160. विवाहौ पूर्वचोदितौ 3,26. नानिष्टाय प्रदातव्या
कन्या इत्यपिचोदितम् MBu. 13,2439. — 8) *sich sputen*: अतुर्पूर्वं वृषणा
चोदयता RV. 1,117,3. चोदयत खुदत् वाजसातये 10,101,12. 102,12. —
Vgl. चोदक figg.

— अग्नि *caus. 1) antreiben, treiben, anfeuern, anreizen, ermunthigen*:
तुरगान् MBu. 4,1097. सारथीन् MBu. in Benf. Chr. 4,17. किंकरान् Hariv.
10107. धनुर्व्याख्याभिचोदितः MBu. 8,1637. मानसा मे भविव्यधमिति ता-
न्यचोदयत् R. 1,29,25. पूजितो सकृद्यश्चैव गतासीत्यभिचोदितः (तैः) 42,
11.6. संयुगायाचोदयत् (बलम्) 6,16,16. Bhāg. P. 2,3,17. Daçak. in
Benf. Chr. 193,22. *auffordern*: ते ऽधोहि भोऽ इत्यभिचोदयति गुरुं शिष्याः
RV. Prāt. 13,2. Jmd anweisen, beauftragen: विहितोदात्तसंवाभाभि-
चोदितः Rāga-Tar. 3,67. — 2) *Etwas festsetzen, bestimmen*: अत्रवीत्प्र-
श्नितं वाक्यं राजा यदभिचोदितम् R. 4,18,5. गमनं लङ्कां प्रत्यभ्यचोदयत्
er trug ihm auf nach L. zu gehen 4,62,15. — 3) *ankündigen, anzeigen*:
संयाममभिचोदयन् वायुर्महान् MBu. 3,11396. — 4) *sich erkundigen nach*:
ऋषिः कश्चिदिकाम्य मम जन्माभ्यचोदयत् MBu. 1,2913.

— परि *caus. in Bewegung versetzen, treiben, antreiben; auffordern,*
zusprechen: परिधाद्य तदा राज्ञो वाङ्मभिः परिचोदिताः Hariv. 13892. मृ-
त्युना परिचोदिताः 9233. 9290. तस्मादसि मया पुत्र युद्धाय परिचोदितः
MBu. 14,2387. भीष्मेण परिचोदितः (erzählte er) Hariv. 9683. अत्राद्येना-
सकृच्चैतान्गुणैश्च परिचोदयेत् M. 3,233.

— प्र *treiben, antreiben*: प्रचोदत्सुडवा वज्रे अस्तः RV. 5,31,3. प्र तं
रथेषु चोदत 36,7. — *caus. 1) in schnelle Bewegung versetzen, treiben,*
antreiben: अयो रथौ इव प्रचोदयः RV. 8,12,3. मरुणक्तिं तव पुत्रप्रचोदि-
ताम् MBu. 7,5202. Draup. 8,6. (शर्वर्पः) मरुन्नास्त्रप्रचोदितैः Arg. 8,2.
रूपान् MBu. 3,12093. प्रचोदयामास भृशं स सारथिं मरुबलं तूर्णतः वजे-
त्यय R. 3,28,42. भर्तृस्त्रैरुप्रचोदिता 19,4. मन्मथेन प्रचोदिता Indr. 3,3.
तद्गुणैः कर्णमागत्य चापलाय प्रचोदितः Raghu. 1,9. — 2) *anfeuern, begei-*
stern: धियो यो नः प्रचोदयत् RV. 3,62,10. विद्वानि 27,7. प्रचोदयता
विद्वेषु कात्र 10,110,7. — 3) *auffordern, angehen*: चोदिता गुरुणा नि-

66